एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन

स्टेशन रोड़, नवलगढ़, झुन्झुनू (राजस्थान)

शनिवार, दिनांक 06 सितम्बर, 2014 (पहला दिन) पांचवी गतिविधि

निःशक्त महिला को अकल्पनीय सफल रोजगार

नीलम कंवर **गाँवः घोड़ीवारा कलां**

सूरज की रोशनी को रात में भी घर–घर पहुँचाने व उससे रोजगार के अवसर पैदा करने के मकसद से मोरारका फाउण्डेशन ने शेखावाटी क्षेत्र में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपनी भूमिका को पिछले 5 सालों से सफलतापूर्वक निभाया है।

गांव घोड़ीवारा कलां में मोरारका फाउण्डेशन ने गरीब व पिछड़ी जाति की विकलांग महिला 'श्रीमती नीलम कंवर' जो अपने तीन बच्चों एवं मजदूर पति के साथ छोटे से घर में गरीबी व अपंगता से जूझ रही थी, का चयन कर सौर ऊर्जा पैनल व अन्य संसाधन लगाये एवं 25 सौर ऊर्जा से चलित लालटेन सन् 2011 में प्रदान किये, जिससे 'नीलम' ने इनके व्यावसायिक उपयोग से रोजगार पाया जैसे कि वो उन्हे शादियों, समारोहों में, जिन ग्रामीणों के पास बिजली कनेक्शन नहीं है उन्हें रोशनी की पूर्ति हेतु, बिजली कटौती के समय, परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को, खेत में रात की पारी में कार्य करने वाले किसानों आदि को एक तय किराये पर देकर आय अर्जित करके अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करी बल्कि सामाजिक जीवन में भी उन्नति हासिल कर गाँव में अपना नाम रोशन किया और मेरा तो मानना है कि अगर किसी में कार्य के प्रति जुनून हो तो किसी भी प्रकार की बाधा क्यों ना आ जाये अर्थात मेहनत के प्रति सफलता अपने–आप झुकती है और मेरे रोजगार के प्रचार–प्रसार हेतु मोरारका फाउण्डेशन केन्द्र पर रोजगार से सम्बन्धित सारी सूचनाएं लिखवा रखा है तथा पम्पलेट्स भी छपवा कर दे रखे है जिन्हें आस–पास के गांवो में बाँट कर अपने व्यवसाय का प्रचार कर इसके उपयोग एवं इससे आय अर्जित करके आज एक खुशहाल परिवार के रूप में जीवनयापन कर रही हूँ।

लाभान्वित **'नीलम'** के चेहरे की खुशी बताती है कि उसके निःशक्त जीवन को मोरारका फाउण्डेशन ने रोजगार के इस अनूठे जरिये के द्वारा एक नया आयाम दिया है।

मोरारका फाउण्डेशन का हमेशा से ही यह उद्देश्य रहा है कि गांवों में रोजगार के कम प्रचारित अवसरों को सुगम बनाकर ग्रामीणों को मुहैया करवायें। सौर ऊर्जा के इस्तेमाल द्वारा रोजगार भी इसी श्रृंखला की एक अन्य कड़ी के रूप में लागू किया गया और आमजन को इस अभियान से जोड़ कर सौर ऊर्जा के प्रयोग के प्रति जागरूक करना भी इस कार्यक्रम में शामिल है।

कार्यक्रम समन्वयक
मोरारका फाउण्डेशन